मोरनी के जंगल में भीषण आग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरियाणा के **हिल स्टेशन मोरनी हिल्स** में **46°C से अधिक तापमान** के कारण जंगल में भीषण आग लग गई।

मुख्य बिंदु:

- अत्यधिक गर्मी और शुष्क परिस्थितियों के कारण आग पहाड़ियों के एक बड़े क्षेत्र में तेज़ी से फैल गई तथा झाड़ियों एवं पेड़ों को अपनी चपेट में ले लिया। **शिवालिक पर्वतमाला** के निचले हिस्से में स्थित **मोरनी हिल्स,** समुद्र तल से लगभग 3,600 फीट की ऊँचाई पर स्थित विविध प्रकार के पौधों और जानवरों का निवास स्थल है।
  - हरियाणा के विभिन्न भागों में **विभिन्न पहाड़ियाँ और श्रेणियाँ** पाई जाती हैं।
  - शिवालिक पर्वतमाला हरियाणा के उत्तर में स्थित है तथा अरावली पर्वतमाला दक्षिण-पश्चिम से हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली तक फैली हुई है।
  - हरियाणा का **एकमात्र हिल स्टेशन, मोरनी हिल्स पंचकूला ज़िले में स्थित** है, जबकि **महेंद्रगढ़ ज़िले में स्थित ढोसी हिल्स विलुप्त ज्वालामुखी** के लिये जाना जाता है।

अरावली पर्वत शृंखला

//

- अरावली **विश्व के सबसे** प्राचीनतम वलित अवशिष्ट पर्वतों **में से एक है,** जो मुख्य रूप से **वलित चट्टानों** से बना है। यह गठन **प्रोटेरोज़ोइक युग (2500-541 मिलियन वर्ष पूर्व)** के दौरान टेक्टोनिक प्लेटों के अभिसरण के परिणामस्वरूप हुआ।
- भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) की रिपोर्ट में अरावली रेंज की पहाड़ियों को और **उनके निचले भागों के नज़दीक एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर ज़ोन** शामिल करने के रूप में **परिभाषित किया गया** है।
- **इसकी ऊँचाई 300 से 900 मीटर** है। राजस्थान में **सांभर सिरोही रेंज** और **सांभर खेतड़ी रेंज** दो प्राथमिक श्रेणियाँ हैं जो पर्वतों का निर्माण करती हैं।
- **माउंट आबू पर गुरु शिखर,** अरावली रेंज (1,722 मीटर) की **सबसे ऊँची चोटी** है।
- इसके आस-पास के प्रमुख जनजातीय समुदायों में **भील, भील-मीणा, मीना, गरासिया** और अन्य शामिल हैं।
- **सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2009 में** हरियाणा के फरीदाबाद, गुणगाँव (अब गुरुग्राम) और नूँह ज़िलों की अरावली रेंज में **खनन पर पूर्ण प्रतिबंध** लगाने का आदेश दिया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/massive-fire-in-morni-forest